सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मित्र बनाने में धीमे रहिये और बदलने में और भी।
-बेंजामिन फ्रैंकलिन

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 65 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 8 अप्रैल, 2024

घर में लखनऊ ने लगाई जीत की... 7 | मैदान में बीजेपी को चित देने... 3 | भाजपा का गठबंधन नहीं गांठबंधन... 2

विपक्ष के निशाने पर फिर आए पीएम मोदी

कांग्रेस बोली- प्रधानमंत्री के झूठ से अब जनता थक चुकी है

न्याय पत्र की गारंटी से हताशा में अनाप-शनाप बोल रहे पीएम

» कांग्रेस व एनसीपी समेत कई पार्टियों ने काम करने के तरीके पर उठाए सवाल

» पवार बोले - एक व्यक्ति के पीछे राजनीति का घूमना लोकतंत्र के लिए खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव करीब आते जा रहे हैं। सियासी दलों का एक-दूसरे पर हमले तेज हो रहे हैं। विपक्ष के निशाने पर प्रधानमंत्री मोदी व बीजेपी है। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार से लेकर कांग्रेस के जयराम रमेश ने पीएम पर तीखा प्रहार करते हुए उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। पूर्व कृषि मंत्री ने कहा कि आज राजनीति व्यक्ति केंद्रित हो गई है जो देश के लिए घातक है।

वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि पीएम न्यायपत्र के वादे से हताश हो गए हैं इसलिए अनाप-शनाप बोल रहें हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उनकी गारंटी से परेशान हैं और अपनी कुर्सी को बचाने के लिए हताशा में बेबुनियाद बयान दे रहे हैं। विपक्षी दल की ओर से यह प्रतिक्रिया तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप है और उसके नेताओं के बयान राष्ट्रीय एकता और सनातन धर्म के प्रति शत्रुता दिखाते हैं।

मोदी सरकार ने सफाई कर्मियों से अन्याय किया

कांग्रेस ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर सफाई कर्मचारियों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया और कहा कि अगर वह सत्ता मे आई तो मैला ढोने की कुप्रथा को समाप्त करके इसमें लगे लोगों को किसी अन्य कार्य के लिए प्रशिक्षित करने के बाद रोजगार प्रदान करेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बिना उपकरण के सीवर में उतरने के बाद गैस रिसाव के कारण एक सफाई कर्मचारी की मौत के संबंध में मीडिया मे आई एक खबर एक्स पर साझा की। रमेश ने लिखा, पांच अप्रैल 2024 को प्रधानमंत्री के खुद के लोकसभा क्षेत्र में एक सफाई कर्मी की सीवर में बिना उपकरण के उतरने पर गैस रिसाव के कारण मौत हो गई। बनारस में यह नया मामला नही है - भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हमें बताया गया था कि पिछले दस साल में बनारस में 25 से भी अधिक मौत सीवर में उतरने से हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ़, मोदी सरकार सफाई कर्मचारियों के प्रति ऐसे अन्याय कर रही है, दूसरी तरफ कांग्रेस ने अपने न्याय पत्र में उनके लिए कुछ वादे किए है।

चार जून के बाद पीएम को लंबी छुट्टी पर जाना होगा : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, भारत के लोग प्रधानमंत्री के झूठ से अब थक चुके हैं। चार जून के बाद उन्हें लंबी छुट्टी पर जाना होगा। यह भारत के लोगों की गारंटी है। लोकसभा चुनाव के लिए मतगणना 4 जून को होनी है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस की पांच न्याय गारंटी दस साल के अन्याय के बाद भारत के लोगों में एक नई उम्मीद जगा रही है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट मं कहा कि कांग्रेस की गारंटी समय की मांग है और यह देश के पीड़ित लोगों की आवाज है। उन्होंने कहा, इस गारंटी कार्ड से परेशान प्रधानमंत्री अपनी कुर्सी बचाने के लिए हताशा में आधारहीन बातें कर रहे हैं।

कृषि मंत्री रहते मैंने की थी गुजरात की मदद : शरद पवार

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के बारामती में पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा, जब मैं केंद्रीय कृषि मंत्री था, तब बिना किसी पक्षपात के गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की मदद की थी, लेकिन आज वही व्यक्ति मेरे खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी कर रहा है। आज अगर कोई पीएम के खिलाफ टिप्पणी करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है।

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की मांग करने वाले को कोर्ट ने फटकारा

» अदालत ने भारी जुर्माना लगाया पब्लिसिटी के लिए न लाएं रिट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पद से हटाए जाने की मांग करने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट से सोमवार को फटकार लगाई। हाई कोर्ट ने कहा कि पब्लिसिटी के लिए ये किया जा रहा है। हम याचिकाकर्ता पर भारी जुर्माना लगाएंगे। आम आदमी पार्टी के ही पूर्व विधायक रहे संदीप कुमार ने दिल्ली आबकारी नीति के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी और जेल जाने के बाद उन्हें पद से हटाने के लिए कोर्ट का रुख किया था।

संदीप कुमार की याचिका की दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने आलोचना की।

दो याचिकाएं पहले भी हो चुकी हैं खारिज

इससे पहले अन्य लोगों की ओर से दायर इसी तरह की दो याचिकाएं पहले ही हाई कोर्ट की ओर से खारिज कर दी गई थीं। जस्टिस मनमोहन और मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने 4 अप्रैल को इस मुद्दे पर एक जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा था कि मुख्यमंत्री बने रहना केजरीवाल की व्यक्तिगत इच्छा है। एक और जनहित याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि याचिकाकर्ता ऐसी कोई कानूनी बंदिश साबित करने विफल रहा है ।

के. कविता को कोर्ट से नहीं मिली राहत

» अंतरिम जमानत की मांग खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट से बीआरएस एमएलसी के कविता को एक बड़ा झटका लगा है। बीआरएस नेता के कविता की अंतरिम जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। बीआरएस नेता ने अपने नाबालिग बेटे की स्कूल परीक्षाओं के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की थी। उत्पाद नीति मामले में ईडी की रिमांड के बाद से वह न्यायिक हिरासत में हैं। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि उन्हें अंतरिम जमानत देने का यह सही समय नहीं है।

बता दें कि के कविता को ईडी ने 15 मार्च को दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद अगले दिन उन्हें सात दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया गया। बाद में उसकी हिरासत में पूछताछ तीन दिन के लिए बढ़ा दी गई। बीते दिनों दिल्ली की अदालत ने सीबीआई को बीआरएस नेता से पूछताछ की अनुमति दी थी। सीबीआई ने कोर्ट में याचिका दाखिल करके के कविता से न्यायिक हिरासत में पूछताछ की अनुमति मांगी थी।

16 वर्षीय बेटे की परीक्षाओं का दिया था हवाला

कविता ने अंतरिम जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था और कहा था कि उनके 16 वर्षीय बेटे की परीक्षाएं हैं और उसे अपनी मां के नैतिक और भावनात्मक समर्थन की जरूरत है। बीआरएस नेता को पिछले मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

सूखा राहत कोष को लेकर सिद्धारमैया ने वित्तमंत्री पर लगाया आरोप

निर्मला सीतारमण ने बोला झूठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। सिद्धारमैया के अनुसार केंद्रीय मंत्री ने झूठ बोला कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण सूखा राहत कोष जारी नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने सूखा राहत के लिए दिसंबर में ही अपना ज्ञापन सौंप दिया था। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि कर्नाटक में देश में दूसरा सबसे अधिक टैक्स जमा होने के बावजूद केंद्र सरकार द्वारा राज्य को राहत राशि जारी नहीं की गई।

उन्होंने आगे कहा कि नरेंद्र मोदी 10 साल से प्रधानमंत्री हैं। क्या उन्होंने बेंगलुरु के लिए कुछ किया है? दरअसल सिद्धारमैया कांग्रेस के बेंगलुरु उत्तर लोकसभा उम्मीदवार प्रोफेसर एमवी राजीव गौड़ा के लिए चुनाव प्रचार के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक से 4.30 लाख करोड़ रुपये टैक्स के रूप में केंद्र को जाता है और जब हम सूखा राहत के लिए राशि मांगते हैं, तो केंद्र सरकार द्वारा झूठ बोला जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने दिसंबर में राहत राशि मांगी थी। फिर भी कर्नाटक में सूखा राहत के लिए एक भी रुपया जारी नहीं किया गया। क्या यह कर्नाटक के लोगों के साथ अन्याय नहीं है? गौरतलब है कि सीतारमण ने कहा कि शनिवार को कर्नाटक को सूखा राहत देने में देरी हुई और यह जानबूझकर नहीं किया गया क्योंकि केंद्र को चुनाव आयोग से अनुमति लेनी पड़ी।

केंद्र कर रहा कर्नाटक के साथ अन्याय : शिवकुमार

कर्नाटक सरकार और केंद्र के बीच सूखा राहत राशि को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस बीच, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक बार फिर केंद्र की आलोचना की है। साथ ही कहा कि सूखा राहत राशि में देरी को स्वीकार करने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया। एक कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री शिवकुमार द्वारा संबोधन में कहा गया कि निर्मला सीतारमण ने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि उन्होंने राज्य को सूखा राहत राशि देने में देरी की। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने कहा है कि आम चुनाव की घोषणा के कारण हम राशि नहीं दे पाएं। मुझे समझ नहीं आता है कि चुनाव और सूखा राहत के बीच क्या संबंध है। केंद्र पर कटाक्ष करते हुए शिवकुमार ने कहा कि लोग जानते हैं कि केंद्र ने कर्नाटक के साथ कितना अन्याय किया है। हमने चार महीने पहले अपनी सूखा राहत राशि के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। अपील के बाद चार महीने तक कोई आदर्श आचार संहिता नहीं थी। अब वह आचार संहिता का बहाना दे रही है। लोग केंद्र के अन्याय से देख रहे हैं। शिवकुमार ने मेकेदातु परियोजना के संबंध में भी जवाब दिया और इस मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री की पिछली निष्क्रियता का उल्लेख किया।

रंगासामी केंद्र के हाथों की कठपुतली : स्टालिन

» बोले- इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो प्रदेश को देंगे पूर्ण राज्य का दर्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुडुचेरी। डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को कहा कि अगर इंडिया ब्लॉक लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता में आता है तो पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा। बता दें, कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा सांसद वी वैथिलिंगम के लिए समर्थन मांगते हुए स्टालिन यहां एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि डीएमके और कांग्रेस पुडुचेरी को पूर्ण राज्य बनाने को लेकर दृढ़ हैं।

सीएम स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी केंद्र के हाथों की कठपुतली हैं। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि न केवल तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए, बल्कि पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारों की भी रक्षा की जानी चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा कि पुडुचेरी को केंद्र में भाजपा के 10 साल के शासन के दौरान कोई फायदा नहीं हुआ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल धर्म और जाति के नाम पर प्रचार कर रहे हैं। मोदी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और कमजोर वर्गों की दशा सुधारने के लिए कोई उपाय नहीं किया है बल्कि धर्म और जाति के नाम पर प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कराईकल के मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कठिनाइयों और गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा और मछुआरों के कष्टों को रोकने के लिए प्रधानमंत्री ने क्या उपाय किए।

फडणवीस ने खडसे का कभी विरोध नहीं किया: बावनकुले

» डिप्टी सीएम से एकनाथ का कोई मतभेद नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई केअध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे का कभी विरोध नहीं किया। खडसे ने करीब तीन साल पहले भाजपा की प्रदेश इकाई के नेतृत्व के साथ मतभेदों के बाद पार्टी के साथ 40 साल पुराना अपना रिश्ता खत्म कर दिया था और वह शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। उन्होंने शनिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह नई दिल्ली में अपनी मूल पार्टी में शामिल होंगे।

फडणवीस सरकार में मंत्री रहे खडसे ने एक भूमि सौदे के मामले को लेकर 2016 में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लंबे इंतजार के बाद वह शरद पवार की अगुवाई वाली

अविभाजित राकांपा में शामिल हो गए थे। खडसे ने फडणवीस और उनके विश्वासपात्र गिरीश महाजन को उनके राजनीतिक करियर को नुकसान पहुंचाने का जिम्मेदार बताया था। भाजपा में उनकी वापसी से उत्तर महाराष्ट्र क्षेत्र में पार्टी की ताकत फिर से बढ़ने की संभावना है। क्या फडणवीस को खडसे की भाजपा में वापसी पर कोई आपत्ति है, बावनकुले ने यहां मीडियाकर्मियों से कहा, देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ खडसे का कभी विरोध नहीं किया।

भाजपा का गठबंधन नहीं गांठबंधन: अखिलेश

» जयंत चौधरी पर कसा तंज बोले- रैली में भी जगह नहीं पा रहे हैं भाजपा के सहयोगी दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयंत चौधरी समाजवादी पार्टी का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। कभी एक-दूसरे के साथी रहे समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के बीच अब बयानबाजी हो रही है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सहारनपुर की पीएम की रैली को लेकर रालोद प्रमुख जयंत चौधरी पर तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पश्चिमी यूपी में भाजपा की घोषित संयुक्त रैली में उनके साथ गए दल भी अपनी जगह नहीं बना पा रहे हैं। उपेक्षित होकर अपमान का घूंट पीकर रह जा रहे हैं। यहां तक कि अपने प्रत्याशी के समर्थन में की जा रही रैली तक में वो हिस्सा नहीं ले पा रहे हैं।

इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा का गठबंधन 'गांठबंधन' बन चुका है। वो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में समाचार भर के लिए बचा है। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के आगे भाजपाइयों का गुट हथियार डाल चुका है। उन्होंने लिखा कि 24 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की बोहनी खराब हो जाएगी क्योंकि उप्र में चुनाव पश्चिमी उप्र से ही शुरू हो रहा है। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के आगे भाजपाइयों का गुट हथियार डाल चुका है।

मुख्तार की मौत की सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में हो जांच

अखिलेश ने मुख्तार की मौत की सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में जांच की मांग करते हुए सवाल भी दागा कि क्या रूस में विपक्षी नेता (एलेक्सी नवलनी) को जेल में जहर देकर नहीं मारा गया। क्या कनाडा सरकार ने उसकी जमीन पर एक व्यक्ति को मरवाने का आरोप भारत पर नहीं लगाया है। मुख्तार अंसारी ने खुद कहा था कि उन्हें जहर दिया जा रहा है। इस सच्चाई को सामने लाने के लिए ही वे जज की निगरानी में जांच की बात कर रहे हैं। अखिलेश इससे पहले कभी मुख्तार या उसके परिवार के लिए इतना खुलकर नहीं बोले, जितना कि रविवार को गाजीपुर में। हालांकि, एक वक्त वो भी था, जब मुख्यमंत्री रहते अखिलेश यादव ने मुख्तार अंसारी के कौमी एकता दल का विलय सपा में नहीं होने दिया था। तब उन्होंने कहा था कि माफिया के लिए सपा में कोई जगह नहीं है। इस मुद्दे पर उनका अपने चाचा शिवपाल यादव से ही विवाद हो गया था। अब अपने तब के बयानों से पलटते हुए कहा कि जेल में रहते हुए मुख्तार अंसारी चुनाव जीतते रहे तो इसका मतलब है कि जनता का दुख-दर्द बांटते थे। वरना, जनता उनके साथ न आती।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

देश की आजादी और संविधान खतरे में : भगवंत मान

» भाजपा के खिलाफ अनशन पर बैठे सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आप के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि आजादी एवं देश का संविधान खतरे में है। मान और राज्य सरकार के कई मंत्री तथा विधायक आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में एक-दिवसीय अनशन के लिए शहीद भगत सिंह नगर जिले के खटकड़ कलां में एकत्र हुए।

आप ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में देशव्यापी सामूहिक अनशन का आह्वान किया था।

खटकड़ कलां महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह का पैतृक गांव है। केजरीवाल को पिछले महीने प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। वह 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं। मान ने सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आप के विस्तार से घबरा गई है, जो 10 साल में ही एक राष्ट्रीय पार्टी बन गई।

मैदान में बीजेपी को चित देने को तैयार कांग्रेस

खरगे, सोनिया, राहुल व प्रियंका ने संभाली कमान

घोषणा पत्र जारी करने के बाद मोदी सरकार को घेरने की तैयारी

- रैलियों व जनसभाओं में बीजेपी पर हमलावर होगी कांग्रेस
- नेताओं ने घोषणापत्र को हर घर तक पहुंचाने का आह्वान किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। घोषणा पत्र जारी करने के बाद कांग्रेस ने अब जनता के बीच में बीजेपी को घेरने की तैयारी शुरू कर दी। इसी के मद्देनजर उसने शनिवार को राजस्थान से अपनी चुनावी रैली आरंभ कर दी है। इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, सोनिया गांधी व प्रियंका गांधी ने जमकर मोदी सरकार व बीजेपी पर हमला बोला। उसी दिन रैली के दौरान घोषणा पत्र भी जारी किया। इस रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी शामिल होना था। लेकिन आखिरी समय पर राहुल गांधी का जयपुर दौरा रद्द हो गया। सूत्रों की माने तो राहुल गांधी तेलंगाना दौरे पर थे। जयपुर में होने वाली जनसभा का असर 5 लोकसभा सीटों पर पड़ेगा जिनमें करीब 40 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इससे पहले भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने राजस्थान को चुना था और इस दौरान राजस्थान से होकर राहुल गांधी की यात्राएं भी गुजरी थी।

कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के घोषणापत्र की सराहना करते हुए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से चुनाव अभियान के दौरान इसे हर घर और व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस का चुनाव घोषणापत्र हर वर्ग के लिए न्याय और निष्पक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक खाका साबित होगा, यही वजह है कि दस्तावेज का नाम न्याय पत्र रखा गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो भी वादे करती है उसे पूरा करती है। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष हुड्डा ने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से चुनाव प्रचार के दौरान इस न्याय पत्र को हर घर और हर व्यक्ति तक ले जाने का आह्वान किया। हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीट पर आम चुनाव के छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा। यहां एक बयान में हुड्डा ने इस बात पर खुशी जताई कि किसानों की स्थिति में सुधार के लिए उनकी समिति द्वारा पूर्व में पार्टी के उदयपुर और रायपुर सम्मेलन में दिए गए सुझावों को घोषणा पत्र में जगह दी गई है। कांग्रेस नेता ने इसके लिए पार्टी आलाकमान और घोषणापत्र कमेटी का आभार जताया। घोषणापत्र में किए गए कई वादों पर प्रकाश डालते हुए हुड्डा ने कहा, कांग्रेस ने किसानों की सबसे बड़ी मांग स्वीकार कर ली है और कर्ज माफी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने का वादा किया है। पांच न्याय के स्तंभों और 25 गारंटियों पर केंद्रित घोषणापत्र नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी और राहुल गांधी की उपस्थिति में जारी किया गया था। हुड्डा ने कहा कि राहुल के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में युवाओं, किसानों, महिलाओं और श्रमिकों के लिए समता और न्याय की घोषणा की गई थी। कांग्रेस द्वारा शुक्रवार को जारी घोषणापत्र में जिन वादों को किया गया है उनमें प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) का अधिकार, एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी, अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी-एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को बढ़ाने के लिए संवैधानिक संशोधन करना, राष्ट्रव्यापी जाति आधारित जनगणना कराना और अग्निपथ योजना को खत्म करना शामिल है।

खुद को महान मानकर देश लोकतंत्र की मर्यादा का चीरहरण कर रहे हैं मोदी : सोनिया

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह खुद को महान मानकर देश और लोकतंत्र की मर्यादा का चीरहरण कर रहे हैं। इसके साथ ही सोनिया गांधी ने कहा, ''आज हमारे देश का लोकतंत्र खतरे में है।'' सोनिया गांधी यहां विद्याधर नगर में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''देश के ऊपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है उसे देश की जनता सबक सिखा देती है। दुर्भाग्य से आज हमारे देश में ऐसे नेता सत्ता में विराजमान हैं। मोदी जी खुद को महान मानकर देश और लोकतंत्र की मर्यादा का चीरहरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''विपक्षी नेताओं को डराने धमकाने, भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) में शामिल कराने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। हमारा देश पिछले दस साल से एक ऐसी सरकार के हवाले है जिसने बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक संकट, असमानता व अत्याचार को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

मोदी ने विपक्ष के दबाव का कारण कई फैसले लिए : जयराम

कांग्रेस ने दावा किया कि विपक्ष के दबाव और उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप पर मोदी सरकार को निशुल्क कोविड-19 टीकाकरण के लिए मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस ने कहा कि महामारी के दौरान जिस तरह का कुप्रबंधन रहा उसे भूलना बेहद मुश्किल है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोविड-19 के टीके निशुल्क मुहैया कराने को अपनी बड़ी उपलब्धि करार दे रही है। रमेश ने एक्स पर कहा, लेकिन सच्चाई तो यह है कि मोदी सरकार को विपक्ष की जिद और उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। आप घटनाक्रम समझिए। डॉ. मनमोहन सिंह ने 18 अप्रैल 2021 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर उनसे टीके से जुड़ी नीति को स्पष्ट करने का अनुरोध किया, जो तब तक बिल्कुल भी व्यवस्थित नहीं थी, और अधिक टीकाकरण हो इसके लिए उन्होंने काफी अच्छे सुझाव दिए। रमेश ने कहा कि 19 अप्रैल 2021 को क्रेंद्र सरकार ने उदारीकृत मूल्य निर्धारण तथा त्वरित राष्ट्रीय कोविड-19 टीकाकरण रणनीति की घोषणा की। इसके तहत 18 से 44 वर्ष के बीच के नागरिकों के टीकाकरण की जिम्मेदारी राज्य सरकारों को दे दी गई। निश्चित रूप से यह एक सार्वभौमिक मुफ्त टीकाकरण योजना नहीं है। रमेश ने कहा कि 12 मई 2021 को विपक्ष के 12 नेताओं ने प्रधानमंत्री को एक संयुक्त पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने मुफ्त, सार्वभौमिक सामूहिक टीकाकरण अभियान की मांग की। रमेश ने कहा कि इसके बाद ही सात जून 2021 को प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम की घोषणा की। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, कोविड-19 महामारी के दौरान जिस तरह का घोर कुप्रबंधन देखने को मिला, उसे भूलना मुश्किल है। गंगा में लाशें तैर रही थीं, ऑक्सीजन की भारी कमी थी, टीकाकरण में खामियां थीं। उन्होंने कहा कि भाजपा के किसी भी स्तर का प्रचार भारत के लोगों के दुख, दर्द और तकलीफ को नहीं मिटा पाएगा।

राजद-महागठबंधन में लौटे मुकेश सहनी

बिहार के विपक्षी महागठबंधन ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्य के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी की वापसी से उसे ताकत मिली है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा दरकिनार किए जाने के बाद से सहनी मुश्किलों से जूझ रहे थे। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख सहनी का राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने गठबंधन में स्वागत किया। तेजस्वी ने बिहार में अपने कोटे की 26 सीट में से वीआईपी को तीन लोकसभा सीट की सम्मानजनक हिस्सेदारी देने की भी घोषणा की। यादव ने कहा, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने गोपालगंज, झंझारपुर और मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) सीट को वीआईपी को देने का फैसला किया है। हम मिलकर बिहार की सभी 40 सीट पर महागठबंधन की जीत सुनिश्चित करेंगे। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले यादव पर पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगाने के बाद महागठबंधन छोड़ने वाले सहनी ने इस प्रकरण को छोटे भाई तेजस्वी के साथ टकराव बताकर खारिज कर दिया। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में वीआईपी को जितनी सीट मिली थी उतनी ही सीट इस बार के लोकसभा चुनाव में देने के लिए राजद नेता को धन्यवाद देते हुए सहनी ने आरोप लगाया, भाजपा ने मेरी छाती में छुरा घोंप दिया। मैंने उन्हें राज्य में सरकार बनाने में मदद की और उन्होंने मुझे कैबिनेट से बाहर कर दिया और मेरे सभी विधायकों को अपने पाले में कर लिया। बॉलीवुड सेट डिजाइनर से नेता बने सहनी खुद को मल्लाह का बेटा बताते है और निषाद समाज के समर्थक हैं।

प्रथम परिवार के लाभ के लिए काम करती है इसलिए नेता छोड़ रहे हैं पार्टी : बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र चुनाव प्रभारी दिनेश शर्मा ने कहा कि नेता कांग्रेस छोड़ रहे हैं क्योंकि पार्टी का एकमात्र उद्देश्य अपने प्रथम परिवार को लाभ पहुंचाना है। वर्धा में उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का परिवार है और लोग उनके लिए भारी मतदान करेंगे क्योंकि आगामी लोकसभा चुनाव राष्ट्रवादियों और अवसरवादियों के बीच की लड़ाई है। शर्मा ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाद्रा, जिन्होंने कथित तौर पर लोकसभा के लिये टिकट मांगा, की ओर इशारा करते हुए कहा, प्रथम परिवार का कल्याण ही कांग्रेस का एकमात्र उद्देश्य है। यही कारण है कि नेता कांग्रेस छोड़ रहे हैं। शर्मा ने दावा किया कि महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास आघाडी में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान देखी जा रही है क्योंकि कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने व्यक्तिगत लाभ के लिए गठबंधन बनाया है। चंद्रपुर में शर्मा ने कहा कि विपक्ष प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहा है लेकिन वह देश की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कोरोनो वायरस महामारी के दौरान मुख्यमंत्री रहते हुए कार्यालय में उपस्थित नहीं होने के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे की भी आलोचना की।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संविधान के प्रति वफादारी सबकी जिम्मेदारी!

"दरअसल, लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हर भारतीय का झुकाव किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा की तरफ होता है। ऐसे में देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने जोर देते हुए कहा कि वकीलों और जजों को संविधान के प्रति वफादार होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जजों को गैर-पक्षपातपूर्ण होने होना चाहिए।"

मुख्य न्यायाधीश ने जजों व वकीलों से कहा है कि विचारधारा से प्रभावित होना बुरी बात नही है पर पक्षपाती होना ठीक नहीं है। सीजेआई ने कहा है कि चूंकि न्यायालयों के फैसले सार्वजनिक होते हैं। इससे आमजन प्रभावित होता है। इसलिए जजों को संविधान के प्रति ही वफादार होना चाहिए। दरअसल, लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हर भारतीय का झुकाव किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा की तरफ होता है। ऐसे में देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने जोर देते हुए कहा कि वकीलों और जजों को संविधान के प्रति वफादार होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जजों को गैर-पक्षपातपूर्ण होने होना चाहिए। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने नागपुर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में कहा,हमारे जैसे जीवंत और तर्कपूर्ण लोकतंत्र में, ज्यादातर लोगों का झुकाव किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा की तरफ होता है।

अरस्तू ने कहा था कि मनुष्य राजनीतिक प्राणी हैं, और वकील कोई अपवाद नहीं हैं, हालांकि, बार के सदस्यों को अदालत और संविधान के साथ पक्षपातपूर्ण नहीं होना चाहिए। देश के चीफ जस्टिस ने कहा कि न्यायपालिका बार-बार अपनी अपनी स्वतंत्रता और गैर-पक्षपातपूर्णता, कार्यपालिका, विधायिका और निहित राजनीतिक हितों से शक्तियों के पृथक्करण के लिए आगे आई है। हालांकि हमको यह नहीं भूलना चाहिए कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बार की स्वतंत्रता के बीच गहरा संबंध है। एक संस्था के रूप में बार की स्वतंत्रता क़ानून के शासन और संवैधानिक शासन की रक्षा के लिए नैतिक कवच के रूप में कार्य करती है। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठों के फैसले कठोर कार्यवाही, संपूर्ण कानूनी विश्लेषण और संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, एक बार फैसला सुनाए जाने के बाद, यह सार्वजनिक संपत्ति हो जाता है, एक संस्था के रूप में, हमारे कंधे चौड़े हैं, हम तारीफ और आलोचना, दोनों को स्वीकार करते हैं, यह तारीफ और आलोचना, भले ही पत्रकारिता, राजनीतिक टिप्पणी या सोशल मीडिया के माध्यम से ही क्यों न हो। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा कि बार एसोसिएशन के सदस्यों और पदाधिकारियों, वकीलों को अदालत के फैसलों पर प्रतिक्रिया करते समय आम लोगों की तरफ टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। लोकसभा चुनाव से पहले जजों को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सलाह दी है। जो उचित भी है। सीजेआई ने कहा कि एक बार फैसला सुनाए जाने के बाद, यह सार्वजनिक संपत्ति हो जाता है। एक संस्था के रूप में, हमारे कंधे चौड़े हैं। हम तारीफ और आलोचना, दोनों को स्वीकार करते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किशोरों के जीवन से खेलती बुरी लत

दीपिका अरोड़ा

तकनीकी विकास की करिश्माई देन, मोबाइल फोन अपनी विविधता की उपयोगिता के चलते युवाओं तथा बड़े बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक का चहेता बन चुका है। अवयस्कों द्वारा सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताना उनके शारीरिक, मानसिक व नैतिक विकास को प्रभावित कर रहा है। मोबाइल के बढ़ते दुष्प्रभावों पर संज्ञान लेते हुए, हाल ही में अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में नाबालिगों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने का ऐलान किया गया। इसके अंतर्गत, 14 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों के सोशल मीडिया खातों पर रोक रहेगी। सोशल मीडिया के प्रयोग से पूर्व अभिभावकों की अनुमति अनिवार्य होगी। नियमोल्लंघन पर संबद्ध छात्र का मोबाइल जब्त करने एवं आदेश पालन सुनिश्चित बनाने हेतु शिक्षकों को बच्चों के बैग सख्तीपूर्वक जांचने का अधिकार दिया गया है। सुधारात्मक दृष्टिकोण से इसे एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। फ्रांस सरकार पहले ही अपने देश में इससे संबद्ध कानून लागू कर चुकी है। ब्रिटेन के शिक्षा मंत्रालय ने भी कुछ ही समय पूर्व, छात्रों का व्यवहार संयमित करने तथा पढ़ाई पर एकाग्रता बढ़ाने के उद्देश्य से विद्यालयों में मोबाइल फोन के प्रयोग पर पूर्ण पाबंदी लगाने संबंधी निर्देश जारी करते हुए कहा कि पाठशाला में इसका प्रयोग पढ़ाई तथा अन्य गतिविधियों में व्यवधान उत्पन्न करता है। बच्चों में मोबाइल की बढ़ती लत के विषय में भारतवर्ष भी अपवाद नहीं। सोशल मीडिया ने मानो बच्चों का बचपन ही छीन लिया है। परम्परागत खेल खेलने की बजाय मोबाइल पर उंगलियां घुमाना बच्चे मनोरंजन का बेहतर उपाय मानते हैं। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, पांच साल तक के 99 प्रतिशत बच्चे गैजेट एडिक्शन के शिकार हैं। अधिक स्क्रीन टाइम बच्चे के लिए कितना घातक सिद्ध हो सकता है, देश के 66 प्रतिशत अभिभावक इस तथ्य से अनभिज्ञ हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, 65 प्रतिशत परिवार खाना खिलाते समय बच्चों को टीवी-मोबाइल दिखाते हैं। 12 माह का बच्चा प्रतिदिन 53 मिनट स्क्रीन देखने में बिताता है, 3 वर्ष की उम्र होने तक यह अवधि बढ़कर डेढ़ घंटा हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, बचपन में ही मोबाइल की लत लगने से बच्चे अनेक रोगों की चपेट में आने लगते हैं। स्क्रीन टाइम बढ़ने से शारीरिक गतिविधि कम होती है तथा ओवरइटिंग

की आदत पनपती है, जिसके फलस्वरूप मोटापा घेरने लगता है एवं अल्पायु में ही मधुमेह, हृदय रोग आदि गंभीर रोगों से पीड़ित होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताना जहां समूची दिनचर्या को प्रभावित करता है, वहीं बच्चों में आलस्य, अनिद्रा, अवसाद, चिंता, तनाव आदि मानसिक समस्याएं बढ़ाने के साथ ही बेचैनी, झल्लाहट तथा हिंसक प्रवृत्ति उपजाने का भी प्रमुख कारण बनता है। अभिभावकों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय न बिताना उन्हें समाज से अलग-थलग कर, आत्मकेंद्रित तो बनाता ही है, उनकी एकाग्रता को भी प्रभावित करता है। विशेषकर, रील बनाने का आधुनिक प्रचलन अवयस्कों को ऐसी आत्ममुग्धता की ओर धकेल रहा है, जिसमें बहुत बार मर्यादाएं भी तार-तार होती दिखाई पड़ती हैं। गैजेट्स पर ज्यादा समय बिताने से बच्चों को बोलने में दिक्कत व समाज में दूसरे लोगों से तारतम्य स्थापित करने में परेशानी महसूस होने लगती है। दूसरे शब्दों में, मोबाइल, टेबलेट, कंप्यूटर आदि का अधिक प्रयोग बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहा है। मोबाइल टाइम का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव आंखों पर देखने में आया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, 20 वर्षों के दौरान छोटे बच्चों में मायोपिया की बीमारी तीन गुणा बढ़ गई। इस संदर्भ में अकेले राजधानी दिल्ली की ही बात करें तो 2001 में बच्चों में आंख से कम दिखने की समस्या 7 प्रतिशत थी जो कि 2011 में बढ़कर 13.5 प्रतिशत तक जा पहुंची। कोविड के पश्चात 2021 में किए गए सर्वेक्षण में 20 से 22 प्रतिशत बच्चे मायोपिया की समस्या से ग्रस्त पाए गए, जिसका सबसे बड़ा कारण बच्चों में बढ़ता स्क्रीन टाइम रहा। सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए अभिभावकों से अपेक्षित है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्वक समय देने के साथ ही उनकी हॉबीज को उभारने में भी सहायक बनें। फैमिली टाइम के दौरान स्वयं भी मोबाइल से दूरी बनाए रखना निहायत जरूरी है। बच्चों को प्रतिदिन 20-30 मिनट साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करना एवं बैडमिंटन, क्रिकेट, टेनिस जैसी आउटडोर खेलें खेलने हेतु प्रोत्साहित करना बच्चों को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक रूप से पुष्ट बनाएगा। खेल विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना बाहर खेलने से आंखों की रोशनी में सुधार होता है। अमेरिका, ब्रिटेन तथा फ्रांस सरकारों का यह निर्णय निश्चय ही छात्रों के लिए हितकारी है।

इंडियन स्पेस इकोनॉमी को विस्तार की कवायद

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में विदेशी और निजी कंपनियों को आकर्षित करने के प्रयासों के तहत उपग्रहों के उपकरण बनाने में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश को अनुमति देकर अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों को आसान बना दिया। सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में संशोधन को मंजूरी दे दी है। असल में नियम आसान होने से निवेश बढ़ेगा और इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। एफडीआई मानकों को लागू करने के लिए उपग्रह उप-क्षेत्र को तीन अलग-अलग गतिविधियों में बांटा गया है। प्रक्षेपण यान, उपग्रह और उपग्रह घटक संशोधित नीति के तहत लॉन्च वाहनों में 49 प्रतिशत तक, उपग्रहों में 74 प्रतिशत और उपग्रह घटकों में 100 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति है। अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने पिछले साल नई भारतीय अंतरिक्ष नीति का ऐलान किया था।

जिसमें अंतरिक्ष क्षेत्र की संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए की बात कही गई थी। इसी के तहत जून, 2020 में केंद्र सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों और निजी कंपनियों को इसरो के संसाधनों और बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाने के लिए एक नई एजेंसी इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड अथॉराइजेशन सेंटर की स्थापना की थी। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अंतरिक्ष स्टार्ट-अप की संख्या 2014 में केवल एक थी, वह 2023 में बढ़कर 189 हो गई। भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप में निवेश 2023 में बढ़कर 124.7 मिलियन डॉलर हो गया। फिलहाल, भारतीय स्पेस इकोनॉमी का आकार तकरीबन 8.4 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो ग्लोबल स्पेस इंडस्ट्री का लगभग 2 फीसदी है। इनस्पेस के अनुसार 2033 तक देश की स्पेस इकोनॉमी 44 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी और ग्लोबल स्पेस इंडस्ट्री में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 8 प्रतिशत हो जाएगी। यह मुकाम हासिल करने में प्राइवेट सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्पेस सेक्टर में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने का भारत का निर्णय एक रणनीतिक कदम है। यह भारतीय स्पेस इंडस्ट्री में निवेश करने और साथ काम करने के इच्छुक विदेशी खिलाड़ियों के लिए यहां प्रवेश की बाधाओं को कम करेगा। भारत की किफायती स्पेस इंडस्ट्री बड़ी संख्या में विदेशी निवेशकों को लुभाने की काबिलियत रखती है। सूर्य मिशन, चंद्रयान-3 मिशन की सफलता से भारत दुनिया के टॉप-5 अंतरिक्ष कार्यक्रम वाले देशों में शामिल है। कम लागत वाले हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम से ज्यादातर देश जुड़ना चाहते हैं। स्पेस सेक्टर में एफडीआई को लेकर सरकार के पास दो विकल्प थे। एक तो टेलीकॉम सेक्टर की तरह वह स्पेस सेक्टर को भी 100 प्रतिशत विदेशी निवेश के लिए खोल दे या इसको 74 प्रतिशत पर रखा जाए, जैसा डिफेंस सेक्टर में है। सरकार ने बीच का रास्ता निकालते हुए पूरे स्पेस सेक्टर को तीन हिस्से में बांट दिया। लॉन्च व्हीकल के सेगमेंट में सबसे कम 49 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है।

इसका कारण रणनीतिक है, क्योंकि जो टेक्नोलॉजी, लॉन्च व्हीकल और रॉकेट में इस्तेमाल होती है, वही टेक्नोलॉजी मिसाइल और आईसीबीएम में भी लगती है। दूसरा कारण यह है कि सैटेलाइट जहां से भी लॉन्च की जाती है, वहां कुछ सॉवरेन जिम्मेदारियां होती हैं। जब सॉवरेन जिम्मेदारी देश पर है, तो उसका नियंत्रण देश के बाहर नहीं होना चाहिए। सरकार ने 74 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति उन जगहों पर दी है जो डिफेंस के समतुल्य हैं। जैसे सैटेलाइट, डेटा आदि। कंपोनेंट तथा अन्य मामलों में, जो टेलीकॉम के समतुल्य हैं, उनमें 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है। वैश्विक स्पेस इकोनॉमी का बाजार तेजी से बढ़ रहा है, भारत भी तेजी से इस क्षेत्र में कदम बढ़ा रहा है। कमर्शियल सैटेलाइट लॉन्चिंग में भारत पर भरोसा लगातार बढ़ रहा है। एक समय ऐसा भी था जब अमेरिका ने भारत के उपग्रहों को लॉन्च करने से मना कर दिया था। आज स्थिति ये है कि अमेरिका सहित तमाम देश खुद भारत के साथ व्यावसायिक समझौता करने को इच्छुक हैं। अब पूरी दुनिया में सैटेलाइट के माध्यम से टेलीविजन प्रसारण, मौसम की भविष्यवाणी और दूरसंचार का क्षेत्र बहुत तेज गति से बढ़ रहा है।

कम लागत और सफलता की गारंटी इसरो की सबसे बड़ी ताकत है जिसकी वजह से स्पेस इंडस्ट्री में आने वाले समय में भारत का बोलबाला होगा। इंडियन स्पेस एसोसिएशन और अर्न्स्ट एंड यंग की 'डेवलपिंग द स्पेस इको सिस्टम इन इंडिया' के नाम से प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार स्पेस लॉन्चिंग का बाजार 2025 तक बहुत ही तेजी से बढ़ेगा। इस रिपोर्ट में भारत में इसके सालाना 13 फीसदी के हिसाब से वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। इसके पीछे की मुख्य वजह स्पेस के क्षेत्र में निजी भागीदारी का बढ़ना तो है ही, साथ ही नई-नई तकनीक आने और लॉन्चिंग सेवाओं की लागत में कमी की वजह से भी स्पेस इकोनॉमी तेजी से बढ़ेगी। अर्न्स्ट एंड यंग की रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में वैश्विक स्पेस इकोनॉमी का आकार 447 अरब डॉलर तक था जिससे 2025 तक 600 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद है।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

पंचांग की गणना में बताया गया है कि इस बार कलश स्थापना के लिए सिर्फ 50 मिनट का समय मिल रहा है। कलश स्थापना सुबह 6 बजकर 12 मिनट से लेकर 10 बजकर 23 मिनट तक कर सकते हैं। 4 घंटे 11 मिनट का यह मुहूर्त सामान्य मुहूर्त माना जा रहा है। वहीं घटस्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त 12 बजकर 3 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक कुल 50 मिनट का है। इस बार चैत्र नवरात्रि के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत योग का शुभ संयोग भी बन रहा है। यह सर्व कार्य सिद्धि के लिए बहुत ही शुभ माना जा रहा है।

घोड़े पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

चैत्र नवरात्र इस साल 9 अप्रैल को है। इन 9 दिनों में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की सच्ची श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा की जाती है। आखिरी नवरात्रि 17 अप्रैल को है। पहले दिन कलश स्थापना की जाती है और 9वें दिन कन्या भोज के साथ मां दुर्गा की विदाई कर दी जाती है। धार्मिक मान्यताओं में माना गया है कि इन 9 दिनों में मां दुर्गा से जुड़ी सभी शक्तियां जागृत हो जाती हैं। इसलिए इन दिनों में मां दुर्गा की संपूर्ण विधि विधान से पूजा करने से आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा इस बार घोड़े पर सवार होकर आएंगी। मां दुर्गा का वाहन इस बात पर निर्भर करता है कि नवरात्रि का पर्व किस दिन से आरंभ हो रहा है। पंचांग के अनुसार इस साल नवरात्रि का आरंभ 9 अप्रैल मंगलवार से हो रहा है। इसलिए मां दुर्गा का वाहन अश्व यानी कि घोड़ा होगा। मां दुर्गा की घोड़े पर सवारी को आने वाले साल के लिए शुभ संकेत नहीं माना जाता है।

घट स्थापना की सामग्री

जौ और बोने के लिए मिट्टी का पात्र, घटस्थापना के लिए कलश, शुद्ध जल, गंगाजल, रोली, मौली, पूजा में काम आने वाली साबुत सुपारी, कलश में रखने के लिए सिक्का, आम के पत्ते, कलश ढ़कने के लिए ढक्कन, ढक्कन में रखने के लिए साबुत चावल, नारियल, लाल कपड़ा, फूल माला,फल तथा मिठाई, दीपक, धूप , अगरबत्ती ले लें।

चैत्र नवरात्रि कब से

हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 08 अप्रैल की रात को 11 बजकर 50 मिनट से शुरू हो जाएगी जिसका समापन 9 अप्रैल को रात 08 बजकर 30 मिनट होगा। उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल 2024 से शुरू होगी।

घट स्थापना की विधि

सबसे पहले जौ बोने के लिए एक ऐसा पात्र लें जिसमे कलश रखने के बाद भी आस पास जगह रहे। यह पात्र मिट्टी की थाली जैसा कुछ हो तो श्रेष्ठ होता है। इस पात्र में जौ उगाने के लिए मिट्टी की एक परत बिछा दें। मिट्टी शुद्ध होनी चाहिए। पात्र के बीच में कलश रखने की जगह छोड़कर बीज डाल दें। फिर एक परत मिट्टी की बिछा दें। एक बार फिर जौ डालें। फिर से मिट्टी की परत बिछाएं। अब इस पर जल का छिड़काव करें। कलश तैयार करें। कलश पर स्वस्तिक बनायें। कलश के गले में मौली बांधें। अब कलश को थोड़े गंगा जल और शुद्ध जल से पूरा भर दें। कलश में साबुत सुपारी, फूल डालें। कलश में सिक्का डालें। अब कलश में पत्ते डालें। कुछ पत्ते थोड़े बाहर दिखाई दें इस प्रकार लगाएं। चारों तरफ पत्ते लगाकर ढ़क्कन लगा दें। इस ढ़क्कन में अक्षत यानि साबुत चावल भर दें नारियल तैयार करें। नारियल को लाल कपड़े में लपेट कर मौली बांध दें। इस नारियल को कलश पर रखें। नारियल का मुंह आपकी तरफ होना चाहिए। यदि नारियल का मुंह ऊपर की तरफ हो तो उसे रोग बढ़ाने वाला माना जाता है। नीचे की तरफ हो तो शत्रु बढ़ाने वाला मानते है, पूर्व की और हो तो धन को नष्ट करने वाला मानते है। नारियल का मुंह वह होता है जहां से वह पेड़ से जुड़ा होता है। अब यह कलश जौ उगाने के लिए तैयार किये गये पात्र के बीच में रख दें।

अष्टमी-नवमी पर करें कन्या पूजन

देवी पुराण के अनुसार, अष्टमी या नवमी वाले दिन कन्या पूजन करने से देवी मां बेहद प्रसन्न होती है। नवरात्रि के व्रत और पूजा बिना कन्या पूजन किए सफल नहीं मानी जाती है। कहा जाता है कि चैत्र और शारदीय नवरात्रि की अष्टमी या नवमी तिथि पर 9 कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। इसे कंजक पूजन के नाम से भी जानते हैं। मान्यता ये भी है कि कंजक पूजन नहीं करने से नवरात्रि में किए गए व्रत का फल भी अधूरा ही मिलता है। बता दें कि कुछ लोग अष्टमी और नवमी वाले दिन कन्या पूजन करते हैं।

हंसना मना है

पत्रकार- 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? बूढ़ा व्यक्ति- बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं...

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था, अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला...भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया 500 का नोट निकालते हुए बोली - 400 खुले हैं? भिखारी - हां हैं मां जी, बुढ़िया - तो उससे कुछ लेकर खा लेना...

सरदार ट्रेन में सुसू करने गया, वाईफः आपका पैंट गिला कैसे हुआ? सरदारः वहां लिखा था, कृपया शरीर का कोई अंग बाहर ना निकाले।

कहानी: लालची बिल्ली और बंदर

एक जंगल में जहां सभी जानवर मिलजुल कर रहा करते थे। उन्हीं जानवरों में चीनी और मिनी नाम की दो बिल्लियां भी थीं। वे दोनों बहुत अच्छी सहेलियां थीं और एक दूसरे का साथ कभी नहीं छोड़ती थीं। जंगल में रहने वाले सभी जानवर उनकी दोस्ती की सभी तारीफ किया करते थे। एक बार मिनी को किसी काम से बाजार जाना पड़ा, लेकिन किसी कारण से चीनी उसके साथ नहीं जा सकी। चीनी का अकेले मन नहीं लग रहा था, तो उसने सोचा कि क्यों न वो भी बाजार घूम कर आए। रास्ते में उसे एक रोटी का टुकड़ा मिला। उसके मन में लालच आ गया और वो उसे लेकर घर आ गई। जैसे ही वह रोटी के टुकड़े को खाने वाली थी, तभी अचानक मिनी आ गई। मिनी ने उसके हाथ में रोटी देखी, तो उससे पूछने लगी कि चीनी हम तो सब कुछ बांटकर खाते हैं और तुम तो मेरे साथ ही खाना खाती थी। क्या आज तुम मुझे रोटी नहीं दोगी? चीनी ने मिनी को देखा तो डर गई और मन ही मन मिनी को कोसने लगी। इस पर चीनी ने कहा कि अरे नहीं मैं तो रोटी को आधा-आधा कर रही थी, मिनी सब समझ गई थी और उसके मन में भी लालच आ गया था, लेकिन कुछ बोली नहीं। जैसे ही रोटी के टुकड़े हुए, मिनी चीख पड़ी कि मेरे हिस्से में कम राटी आई है। रोटी चीनी को मिली थी इसलिए, वो उसे कम देना चाहती थी। फिर भी वो बोली कि रोटी तो बराबर ही दी है। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया और धीरे-धीरे यह बात पूरे जंगल में फैल गई। सभी जानवर उन दोनों को लड़ते हुए देख रहे थे। उसी समय वहां एक बंदर आया और उसने कहा कि मैं दोनों के बीच में बराबर रोटी बांट दूंगा। सभी जानवर बंदर की हां में हां मिलाने लगे। न चाहते हुए भी दोनों ने बंदर को रोटी दे दी। बंदर कहीं से तराजू लेकर आया और दोनों ओर रोटी के टुकड़े रख दिए। जिस तरफ वजन ज्यादा होता, वो उस तरफ की थोड़ी-सी रोटी यह बोलकर खा लेता कि इस रोटी को दूसरी तरफ रखी रोटी के वजन के बराबर कर रहा हूं। वो जानबूझकर ज्यादा रोटी का टुकड़ा खा लेता, जिससे दूसरी तरफ की रोटी वजन में ज्यादा हो जाती। ऐसा करने से दोनों ओर रोटी के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े बचे। बिल्लियों ने जब इतनी कम रोटी देखी तो बोलने लगीं कि हमारी रोटी के टुकड़े वापस दे दो। हम बची हुई रोटी को आपस में बांट लेंगे। तब बंदर बोला कि अरे वाह, तुम दोनों बहुत चालाक हो। मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं दोगी क्या। ऐसा बोलकर बंदर दोनों पलड़ों में बची हुई रोटी के टुकड़ों को खाकर चला गया और दोनों बिल्लियां एक दूसरे का मुंह तांकती रह गईं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

वृषभ — फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी।

मिथुन — विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा।

कर्क — घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं।

सिंह — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

कन्या — चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे।

तुला — शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे।

वृश्चिक — चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनु — पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी।

मकर — पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा।

कुम्भ — प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा।

मीन — पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

दर्शकों का नजरिया बदलने आ रहा 'श्रीकांत'

राजकुमार राव की फिल्म का पहला लुक आया सामने

राजकुमार राव की अपकमिंग फिल्म श्रीकांत का पहला लुक सामने आ गया है। बिजनेसमैन श्रीकांत बोला की बायोपिक में राजकुमार मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आने वाले हैं। फिल्म 10 मई को सिनेमाघरों में दर्शकों के सामने होगी। इस फिल्म में राजकुमार राव के अलावा ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर जैसे एक्टर्स भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे।

फिल्म के फर्स्ट लुक में राजकुमार राव एक सड़क पर भागते हुए नजर आ रहे हैं और फिनिशिंग लाइन पर रिब्बन को छूकर आगे निकल जाते हैं, जिसके बाद स्क्रीन पर फिल्म श्रीकांत की रिलीज की तारीख लिखी हुई आती है। राजकुमार राव ने फिल्म के फर्स्ट लुक का वीडियो अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर किया है। यह फिल्म दिव्यांग बिजनेसमैन श्रीकांत बोला की बायोपिक है। श्रीकांत के पहले लुक को फैन्स के साथ साझा करते हुए राजकुमार राव ने कैप्शन में लिखा है, एक जर्नी जो आपको अपनी आंखें खोलने के लिए प्रेरित करेगी! आप सबका नजरिया बदलने आ रहा है श्रीकांत। सिनेमाघरों में आ रही 10 मई 2024। इस फिल्म में अभिनय कर रही एक्ट्रेस अलाया एफ ने भी इसी कैप्शन के साथ वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

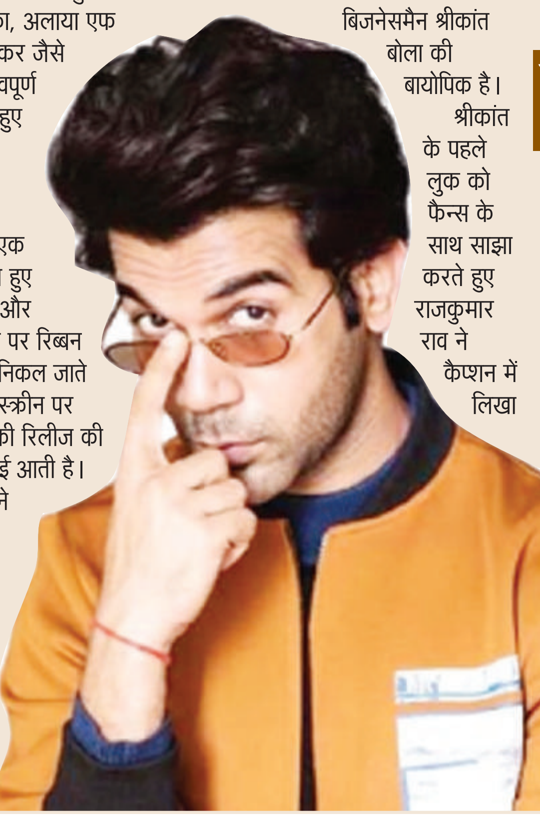

इन फिल्मों में नजर आएंगे राजकुमार राव

इस फिल्म का निर्देशन तुषार हीरानंदानी ने किया है और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और निधि परमार हीरानंदानी ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। बता दें, श्रीकांत के अलावा राजकुमार राव स्त्री 2, मिस्टर एंड मिसेज माही, गन्स एंड गुलाब्स सीजन 2 और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो जैसी फिल्मों और सीरीज में नजर आएंगे।

श्रीकांत एक उद्योगपति श्रीकांत बोला की प्रेरक यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्होंने अपनी विजुअल इम्पेयरमेंट को अपने रास्ते पर नहीं आने दिया और बोलैंट इंडस्ट्रीज की स्थापना की। राजकुमार राव की आने वाली फिल्म श्रीकांत एक बायोपिक है जिसमें ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर जैसे कलाकार नजर आएंगे। श्रीकांत बोला एक भारतीय बिजनेसमैन और बोलैंट इंडस्ट्रीज के फाउंडर हैं। यह संगठन दिव्यांग व्यक्तियों को रोजगार देता है, जो इको फ्रेंडली प्रोडक्ट बनाता है। 1992 में भारत के हैदराबाद के पास एक छोटे से गांव में जन्मे दृष्टिबाधित श्रीकांत का जीवन एक प्रेरणादायक सफर रहा है। ऐसे समाज में जहां किसी भी शारीरिक कमी को अक्सर एक अभिशाप के रूप में देखा जाता था, किसानों के परिवार में पैदा होने के बावजूद श्रीकांत ने अपनी कमजोरी को खुद पर कभी हावी नहीं होने दिया।

फिल्मों में अपनी शुरुआत को लेकर बेहद खुश हैं देवोलीना भट्टाचार्जी

देवोलीना भट्टाचार्जी फिल्मों में अपनी शुरुआत को लेकर बेहद खुश हैं उन्होंने कहा कि फिल्में करने का मतलब यह नहीं है कि वह अब छोटे पर्दे या वेब पर काम करने से पीछे हट जाएंगी।

शो साथ निभाना साथिया में गोपी बहू का किरदार निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाली एक्ट्रेस बंगाल 1947 : एन अनटोल्ड लव स्टोरी में लीड रोल में नजर आएंगी। बड़े पर्दे पर अपने डेब्यू के बारे में बात करते हुए, देवोलीना ने कहा, मैं अपनी पहली फिल्म को लेकर एक्साइटेड हूं। मैं चाहती हूं कि मेरे फैंस हर बार की तरह मुझे प्यार और सपोर्ट करें।

टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रोजेक्ट्स में काम करने के बाद, मैं बड़े स्क्रीन के प्रोजेक्ट का ऑफर पाकर बेहद खुश हूं। एक एक्टर के रूप में मैं अपने आप को बांधकर नहीं रखती। एक्ट्रेस, जिन्हें पिछली बार दिल दियां गल्लां में देखा गया था, ने कहा कि वह छोटे पर्दे या डिजिटल प्लेटफॉर्म से पीछे नहीं हटेंगी और काम करती रहेंगी। मैं एक एक्टर हूं और मेरा काम एक्टिंग करना है। बॉलीवुड स्क्रीन को सबसे अच्छा प्लेटफॉर्म माना जाता है और हर एक्टर उस प्लेटफॉर्म पर राज करना चाहता है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा अच्छी कहानियों के इंतजार में रहती हूं। मैं अपने काम को एन्जॉय करती हूं, चाहे वह स्टेज पर लाइव थिएटर करना हो, या टीवी शो, वेब या फिल्में। लेकिन, फिल्में करने का मतलब यह नहीं है कि मैं अब टीवी या वेब पर काम नहीं करूंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

करियर के शुरुआत में हो चुकी हूं कास्टिंग काउच का शिकार : आयशा

बिग बॉस 17 की वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट आयशा खान आज सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। आज देशभर के लोग उनकी अदाओं और खूबसूरती पर फिदा रहते हैं, लेकिन आयशा ने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अपने दम पर एक पहचान हासिल की है। इसी बीच अब आयशा ने खुलासा किया है कि वह कास्टिंग काउच के दर्द से गुजर चुकी हैं, साथ ही उन्होंने बताया कि बचपन में उनका शोषण भी हुआ है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में आयशा ने बताया कि करियर के शुरुआत समय में उन्होंने एक एजेंसी जॉइन की थी। ये किसी एजेंसी के साथ आयशा का पहला अनुभव था। आयशा ने बताया, फोटोशूट की बात हो रही थी। मुझे 3-4 कपड़े दिए गए। इसमें से एक ब्लैक नेट का टॉप था, जिसे मुझे फोटोशूट के लिए पहनना था। मुझे इसके अंदर पहनने के लिए इनर दी जाएगी शायद, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने हम बस यहीं तक कि फोटोज क्लिक करेंगे। आयशा ने अपनी बात पूरी करते हुए आगे कहा, वो लोग जब भी आपको ऐसे फोटोशूट के लिए अप्रोच करेंगे तो कहेंगे कि अरे माधुरी ने भी ऐसा ही किया था। इसके बाद वह वो सामने कई बड़े-बड़े सितारों के नाम लेंगे जो आज बहुत सक्सेसफुल हो चुके हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि हम बस आपके चेहरे तक की फोटोज क्लिक करेंगे। आयशा ने दूसरे इंसिडेंट बताते हुए कहा, उस दिन मैं ऑटो से सफर कर रही थी। मैंने वनपीस कैरी किया था, जो घुटनों तक था। इस घटना को 2 साल हो चुके हैं। मेरे ऑटो ड्राइवर ने कहा कि दीदी कोई हमारा पीछा कर रहा है। मुझे लगा कि मैं इंस्टाग्राम पर थोड़ी फेमस तो हो ही चुकी हूं, तो शायद कोई फैन होगा। इसके बाद वह कार मेरे ऑटो के बराबर तक पहुंच गई। उसमें बैठे शख्स ने अपने हाथ मेरे पैरों की ओर बढ़ाए और पकड़ने की कोशिश करने लगा। इस दौरान मेरा ऑटो चल रहा था। मैं बता नहीं सकती उस समय मेरी हालत कैसी थी।

ये है दुनिया का सबसे महंगा मशरूम एक किलो कीमत से मना सकते हैं पार्टी

दुनिया भर में मशरूम को सेहत से भरी सब्ज़ी में गिना जाता है। इसके फायदे डायटीशियन भी गिना देंगे। दुनिया में कई तरह के मशरूम पाई जाते हैं और उनमें कई मशरूम तो ऐसे हैं, जिनकी कीमत एक-दो हजार रुपये किलो नहीं बल्कि लाखों में है। आज हम आपको एक ऐसे ही मशरूम के बारे में बताएंगे, जिसे संसार के सबसे महंगे मशरूमों में से एक माना जाता है। कुछ मशरूम इतनी दुर्लभ होते हैं कि उनकी कीमत आसमान छूने लगती है। विदेश में ही नहीं भारत में कई ऐसी मशरूम पाई जाती हैं, जो काफी महंगी और फायदेमंद होती है। आज चलिए हम आपको ऐसे मशरूम के बारे में बताते हैं, जिसके एक किलो की कीमत में आप आराम से पार्टी मना सकते हैं। है ना मज़ेदार!

दुनिया के सबसे महंगे मशरूम के तौर पर जापान के मात्सुतेक मशरूम हैं। कोरियन पेनिंसुला और चीन में पैदा होने वाला ये मशरूम उगता तो अमेरिका में भी है लेकिन जापान के क्योटो में पैदा होने वाले इस मशरूम की कीमतें आसमान छूती हैं। इस मशरूम की खासियत होती है इसकी महक। तीखी महक और मीट जैसे टेक्सचर की वजह से इसे खासा पसंद किया जाता है। इनकी कीमत 500 यानि 41,708 रुपये प्रति पाउंड है। अगर इस मशरूम की एक किलो की कीमत लगाई जाए तो ये 1 से डेढ़ लाख तक होती है। ऐसे में एक किलो मशरूम की कीमत में पार्टी तो हो ही सकती है। वैसे ट्रफल मशरूम की कीमत भी इससे कम नहीं होती, लेकिन मात्सुतेक मशरूम की कम पैदावार इसे ज्यादा कीमती बनाती है। हल्के ब्राउन कलर की यह मशरूम वेल फॉर्म्ड होती है, जिसमें एक कैप भी लगी होती है। साल में इसकी 1000 टन से भी कम पैदावार होती है। जापान में सूप या चावल के साथ इसे परोसा जाता है या फिर यूं ही ग्रिल करके परोसा जाता है।

अजब-गजब | भारतीयों को बुला रहे ये देश !

रहने और काम करने का मौका दे रहे हैं ये देश

ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में विदेश में काम करने की किसकी ख्वाहिश नहीं होगी। लेकिन जब भी हम सोचते हैं तो कोई न कोई दिक्कत आ ही जाती है। कभी वीजा नहीं मिलता, तो कभी नौकरी के मौके नहीं होते। लेकिन आज हम आपको दुनिया के उन 7 देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो भारतीयों को बेहद आसानी से वीजा दे देते हैं। जहां भारतीयों के लिए नौकरी के तमाम मौके होते हैं। उन्हें रहने और करियर में किसी तरह की दिक्कत नहीं आती। कई देशों के साथ तो भारत के द्वीपक्षीय समझौते हैं।

कनाडा, इस मामले में पहले नंबर पर है। यहां भारतीयों के लिए एक्सप्रेस एंट्री सिस्टम है, जो वर्क परमिट मांगने वालों को तुरंत मौके देता है। प्रोफेशनल्स और कुशल श्रमिकों की यहां हर समय डिमांड रहती है। अगर आप भारतीय हैं तो आपकी बल्ले-बल्ले। क्योंकि बहुत से भारतीय यहां काम करते हैं। अगर आपकी कई भाषाओं पर पकड़ है, या आप किसी भी फील्ड में ट्रेंड हैं तो आपके लिए यहां काफी मौके हो सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया भारतीय प्रोफेशनल्स को आकर्षित करने दूसरे नंबर पर आता है। ऑस्ट्रेलिया जनरल स्किल्ड माइग्रेशन सिस्टम के तहत भारतीयों को प्राथमिकता देता है। यहां बेहद आसानी से वीजा जारी किया जाता है। अगर आप अंग्रेजी अच्छी जानते हैं, आपके पास किसी खास फील्ड में एक्सपीरियंस है तो आपको यहां मौका मिल सकता है।

आईटी, इंजीनियरिंग और मेडिकल फील्ड में काम के इच्छुक प्रोफेशनल्स के लिए जर्मनी शानदार जगह हो सकती है। यहां भारतीयों को कई तरह की सहूलियतें मिलती हैं। जर्मनी कुशल प्रोफेशनल्स के लिए ईयूब्लू कार्ड जारी करता है। आपके पास किसी अच्छे विश्वविद्यालय की डिग्री होनी चाहिए। आपको तुरंत वीजा जारी कर दिया जाएगा। यूजीलैंड भी इस सूची में है। यहां स्किल्ड माइग्रेट कैटेगरी वाले लोगों की खूब डिमांड रहती है। और अगर आप भारतीय हैं तो आपको काफी आसानी से वीजा मिलता है। यहां रहकर आप अच्छा खासा काम कर सकते हैं। स्किल्ड लोग यहां के लिए आवेदन कर सकते हैं। सिंगापुर मजबूत अर्थव्यवस्था और विदेशियों का स्वागत करने के लिए जाना जाता है। उस पर भी अगर आप भारतीय हैं तो आपको काफी सहूलियत मिलती है। यहां इंप्लाइमेंट पास, एस पास, वर्क हॉलिडे पास और ट्रेनिंग इंप्लाइमेंट पास जारी किए जाते हैं। अंग्रेजी यहां के ज्यादातर लोग समझते हैं, तो अगर आप आईटी प्रोफेशनल्स हैं, मैनेजमेंट से हैं तो यहां आपके लिए मौका हो सकता है।

नीदरलैंड में भी आपके लिए मौका हो सकता है। यहां टैक्स कम है और रहने के लिए काफी बेहतर माहौल है। आप चाहें जॉब करने जाएं या फिर पढ़ाई आपको कई तरह की सुविधाएं मिलेंगी। हेल्थकेयर सुविधाओं का तो कोई जवाब ही नहीं। नीदरलैंड भी भारतीयों के लिए वीजा जारी करने में उदार रहता है। नीदरलैंड की तरह ब्रिटेन भी भारतीयों के लिए मौके लेकर आया है। यहां ग्लोबल टैलेंट वीजा और स्किल्ड वर्कर वीजा मिलना अब पहले के मुकाबले ज्यादा आसान हो गया है। यहां काम करने के लिए स्किल आनी चाहिए। सिर्फ यही एक योग्यता है। आपको मौका मिल जाएगा।

नीदरलैंड की तरह ब्रिटेन भी भारतीयों के लिए मौके लेकर आया है। यहां ग्लोबल टैलेंट वीजा और स्किल्ड वर्कर वीजा मिलना अब पहले के मुकाबले ज्यादा आसान हो गया है। यहां काम करने के लिए स्किल आनी चाहिए। सिर्फ यही एक योग्यता है। आपको मौका मिल जाएगा।

जयंत चौधरी के एनडीए में जाने पर बोलीं सपा की कैराना प्रत्याशी इकरा हसन, कहा-

लौटकर विपक्ष में ही आयेंगे जयंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कैराना से समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार इकरा हसन ने जयंत चौधरी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि जयंत चौधरी लौटकर यहीं (विपक्ष के पास) आएंगे। उन्होंने आगे कहा, जयंत के साथ कुछ मजबूरियां रही होंगी, कोई दबाव रहा होगा। इसलिए वह एनडीए में शामिल हुए हैं।

इकरा हसन ने आज तक से खास बातचीत में कहा, जयंत चौधरी का इंडिया ब्लॉक से अलग होना झटका जरूर है, लेकिन इससे ब्लॉक को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। जयंत ओर बीजेपी नेचुरल अलायंस नहीं हैं। लेकिन फिर भी किसी दबाव में उन्हें (जयंत चौधरी) को साथ जाना पड़ा।

कैराना का जिक्र करते हुए इकरा ने कहा, कैराना को गलत कारणों से बदनाम किया गया। बीजेपी ने जिस तरीके से कैराना को लेकर प्रोपेगेंडा चलाया, उससे हमारे क्षेत्र का बहुत नुकसान हुआ। हालांकि, हमारे लोगों ने 2017 और 2022 में बीजेपी को हराकर इसका जवाब दे दिया था। ध्रुवीकरण कर कैराना की एक अलग इमेज बनाई गई। अगर मुजफ्फरनगर में दंगे हुए तो भी हमारा जिला बहुत शांतिपूर्ण रहा। यहां लोगों ने दंगे में सबकी मदद की।

दलों का मेल हुआ, दिलों का नहीं

बीजेपी पर आरोप लगाते हुए इकरा ने कहा कि बीजेपी ने कैराना में पलायन के मुद्दे को देशभर में खूब भुनाया, चित्रकूट तक यहां के पोस्टर लगाए गए। लेकिन इसमें वह हार गई। जयंत चौधरी को लेकर बात करते हुए इकरा ने कहा, जयंत बड़े नेता हैं। हमारे परिवार से उनका बहुत पुराना और गहरा रिश्ता रहा है। कुछ भी होता है तो हम जयंत चौधरी की तरफ देखते हैं, जयंत के जाने से हमें नुकसान तो नहीं होगा। लेकिन जाने की बात जानकर झटका जरूर लगा है। जयंत चले तो गए हैं, लेकिन वहां दलों का मेल हुआ है दिलों का नहीं।

कैराना हिन्दू-मुस्लिम गूजर बहुल इलाका

बता दें कि कैराना हिन्दू और मुसलमान गूजर बहुल माना जाता है। सपा ने यहां से इकरा हसन को अपना उम्मीदवार बनाया है तो वहीं, बीजेपी ने प्रदीप चौधरी को। दोनों गूजर हैं, लेकिन अब यहां की सियासत में बिरादरी से बड़ा धर्म का झोल है। कैराना लोकसभा में 5 विधानसभा मौजूद हैं। जिसमें कैराना, शामली, थाना भवन नकुड़ और गंगोह विधानसभा सीट है। कैराना लोकसभा में जातीय समीकरण की बात करें तो यहां पर सबसे ज्यादा मुस्लिम मतदाता हैं। जिनकी संख्या करीब 5:45 लाख के आसपास है। उसके बाद दलित वर्ग के तकरीबन ढाई लाख वोटर हैं। कैराना में तकरीबन ढाई लाख के आसपास जाट वोटर हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो उस दौरान यहां पर भाजपा कैंडिडेट ने करीब 75000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी।

अबकी बीजेपी को जीत मिली तो दोबारा देश में चुनाव नहीं होंगे: प्रभाकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर ने दावा किया है कि अगर बीजेपी को इस साल हो रहे लोकसभा चुनाव में जीत मिलती है तो देश में दोबारा चुनाव नहीं होंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति परकला का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। खुद देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने परकला प्रभाकर के बयान का वीडियो शेयर किया है। उन्होंने यहां तक दावा किया कि मणिपुर जैसी स्थिति पूरे देश में हो सकती है।

कांग्रेस ने परकला 1.49 मिनट के वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए कहा, 2024 में अगर फिर से मोदी प्रधानमंत्री बने तो देश में फिर कभी भी चुनाव नहीं होंगे। देश का संविधान बदल जाएगा। मोदी खुद लाल किले से हेट स्पीच देंगे और लद्दाख-मणिपुर जैसी स्थिति पूरे देश में बन जाएगी- परकला प्रभाकर। पार्टी ने आगे कहा, परकला जी जाने-माने अर्थशास्त्री हैं और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति हैं।

दरअसल, अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर ने एक यूट्यूब चैनल को इंटरव्यू दिया, जहां उनसे सवाल हुआ कि अगर देश में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनती है तो क्या होने वाला है? इसके जवाब में उन्होंने कहा, अगर ऐसा होता है तो ऐसी संभावना है कि फिर आप एक और चुनाव की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। 2024 के चुनाव के बाद अगर ये सरकार वापस आती है तो उसके बाद चुनाव होगा ही नहीं। परकला प्रभाकर ने आगे कहा, अभी आपके पास जो देश का संविधान और नक्शा है, ये पूरी तरह से बदल जाएगा। आप इसे पहचान भी नहीं पाएंगे। अभी आपको पाकिस्तान भेजने, इसे मारने या भगाने की बातें जो धर्म संसद जैसी जगहों से सुनाई दे रही हैं, वो बातें आप लाल किले से सुनेंगे। अर्थशास्त्री ने कहा, इस तरह की बातों को लेकर एकदम खुला खेल होगा। यही सबसे बड़ा खतरा है। निर्मला सीतारमण के पति परकला ने पूरे देश में मणिपुर जैसे हालात पैदा होने की भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, अभी आपको लग रहा है कि हिंसा मणिपुर में हो रही है, इसलिए हमारे यहां होने की कोई संभावना नहीं है। ऐसा आपको सोचने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जो आज मणिपुर में हो रहा है, वो कल को आपके या हमारे राज्य में भी हो सकता है।

'सत्ताविरोधी लहर है फिर भी जीत पक्की'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु की सेंट्रल चेन्नई लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होना है। इस सीट पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम के दयानिधि मारन को भारतीय जनता पार्टी के विनोज पी। सेल्वम से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है. अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाला गठबंधन और नाम तमिलर काट्ची के उम्मीदवार भी इस सीट पर मुकाबले को रोचक बना रहे हैं।

तमिलनाडु में कुल 39 लोकसभा सीटें हैं, जिसमें सेंट्रल चेन्नई छोटे निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। यहां मतदाताओं की संख्या 23 लाख से ज्यादा है। इस लोकसभा सीट में विल्लीवक्कम, एग्मोर, हार्बर, चेपक, ट्रिप्लिकेन, थाउजेंड लाइट्स, अन्ना नगर विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं।

आकाश ने बदला बसपा का चुनावी पैटर्न

बीएसपी के चुनाव प्रचार में लगा बॉलीवुड का तड़का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली/लखनऊ। बसपा लोकसभा चुनाव 2024 अलग पैटर्न पर ही लड़ रही है। पार्टी ने एक तरफ जहां यूपी में गठबंधन से दूरी बना ली, वहीं युवाओं को जोड़ने के लिए नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद को भी मैदान में उतार दिया है। साथ ही प्रचार-प्रसार का तौर-तरीका भी उसने बदल दिया है। इसमें सोशल मीडिया पर मौजूदगी बनाने के साथ-साथ बॉलीवुड का तड़का भी लगाया है।

बसपा ने लोकसभा चुनाव के वक्त नई वेबसाइट बनाई है, जिस पर पार्टी से जुड़ी सभी गतिविधियां अपडेट की जा रही हैं। इसके अलावा एक अलग वॉर रूम भी बनाया है। जिसकी मॉनिटरिंग खुद नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद कर रहे हैं। वहीं चुनावी गीत भी लांच कर दिए है। इन गीतों को बॉलीवुड के दिग्गज गायक उदित नारायण, कैलाश खेर और शान आदि ने आवाज दी है। एक गीत की आवाज कुछ यूं है कि। शंखनाद कर दिया बहना ने!

11 अप्रैल को मायावती की नागपुर में रैली

11 अप्रैल को बसपा प्रमुख मायावती नागपुर में पहली जनसभा करेंगी। वहीं आकाश आनंद ने 6 अप्रैल को पहली रैली नगीना में की। जबकि रविवार को बुलंदशहर के खुर्जा और गाजियाबाद में आकाश ने रैलीकी। आकाश आनंद रैलियों के जरिये पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुके हैं। इसके अलावा यूपी के लिए बसपा ने 40 सदस्यीय स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है। इसमें पहले नंबर पर बसपा प्रमुख मायावती, दूसरे नंबर पर आकाश आनंद और तीसरे नम्बर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश चंद्र मिश्रा हैं। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष, यूपी वेस्ट के कॉर्डिनेटर, समेत करीब 10 नेता ही लिस्ट में ऐसे हैं, जिनको पुराने चेहरे के तौर पर माना जा सकता है। ज्यादातर लिस्ट में नए चेहरे हैं। जल्द ही यूपी में भी बसपा चीफ रैलियां शुरू करेंगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने लगाई जीत की हैट्रिक

स्टोइनिस और ठाकुर चमके, गुजरात टाइटंस को 33 रनों से रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने आल राउंडर मार्कस स्टोइनिस (58 रन) के अर्धशतक के बाद यश ठाकुर (30 रन देकर पांच विकेट) और अन्य गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में गुजरात टाइटन्स को 33 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

एलएसजी ने स्टोइनिस के अर्धशतक के बाद निकोलस पूरन की नाबाद 32 रन की पारी से पांच विकेट पर 163 रन का स्कोर बनाकर गेंदबाजों की बदौलत इस छोटे से लक्ष्य का बचाव भी किया। गुजरात टाइटन्स ने शुभमन गिल (19 रन) और साई सुदर्शन (31 रन) के बीच पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत करायी लेकिन लगातार विकेट गंवाने से टीम 18.5 ओवर में 130 रन पर सिमट गयी। इन दोनों के अलावा राहुल तेवतिया ने 30 रन बनाये। एलएसजी के लिए यश ठाकुर ने 3.5 ओवर में एक मेडन से 30 रन देकर पांच विकेट अपने नाम किये जबकि क्रुणाल पंड्या ने चार ओवर में महज 11 रन देकर तीन विकेट झटके। यश ठाकुर ने अपने दो ओवरों में दो दो विकेट चटकाये। रवि बिश्नोई ने दो ओवर में आठ रन देकर अपनी ही गेंद पर एक शानदार कैच लपककर एक विकेट हासिल किया।

गुजरात टाइटन्स ने गिल ओर सुदर्शन की बदौलत पावरप्ले में तेजी से बल्लेबाजी की। लेकिन छठे ओवर की अंतिम गेंद पर गिल (19 रन) का विकेट गंवा दिया जिन्हें यश ठाकुर ने बोल्ड किया।

मुंबई ने चखा जीत का स्वाद, दिल्ली फिर हारी

दिल्ली कैपिटल्स को रविवार को मुंबई इंडियंस के हाथों हाई स्कोरिंग मैच में 29 रन की शिकस्त झेलनी पड़ी। वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए आईपीएल 2024 के 20वें मैच में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 234 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 205 रन बना सकी। दिल्ली कैपिटल्स को टूर्नामेंट में भले ही चौथी शिकस्त सहनी पड़ी हो, लेकिन मुंबई के खिलाफ उसे अपना एक स्टार खिलाड़ी मिला, जिसने बाजी पलटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर ट्रिस्टन स्टब्स ने दिल्ली के लिए नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने उतरे और मुंबई के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ दी।

जांच एजेंसियों को लेकर बंगाल में बवाल

टीएमसी ने किया बीजेपी पर हमला, भाजपा के हथियार के रूप में काम कर रही ईडी व सीबीआई : ममता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुरुलिया। बंगाल में जांच एजेंसियां चुनावों में मुद्दा बनती जा रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इनको लेकर बीजेपी व मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। सीएम ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं से या तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने या कार्रवाई का सामना करने के लिए कह रही हैं।

पुरुलिया जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां भाजपा के हथियार के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, टीएमसी नेताओं को परेशान करने के लिए एनआईए, ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वे बिना किसी पूर्व सूचना के छापेमारी कर रहे हैं और घरों में घुस रहे हैं। जब रात में सभी लोग सो रहे हों और कोई उनके घर में घुस जाए तो महिलाएं क्या करेंगी।

आवास सूची का बीजेपी चुनावी उद्देश्य में कर रही इस्तेमाल

बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने पीएम-आवास के तहत घर पाने के लिए पात्र 11 लाख लोगों की एक सूची केंद्र को भेजी थी, लेकिन भाजपा उस सूची के विवरण का इस्तेमाल चुनाव उद्देश्यों के लिए कर रही है और लोगों को फोन करके नए सिरे से आवेदन करने के लिए कह रही है। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा, कृपया कोई नया आवेदन न करें। चुनाव के बाद हम राज्य के अपने कोष से सभी 11 लाख लोगों के लिए घर बनाएंगे।

राज्य को धन से वंचित कर रही केंद्र सरकार

मुख्यमंत्री ने केंद्र की भाजपा-नीत सरकार पर पश्चिम बंगाल को मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजनाओं के लिए धन से वंचित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों को घर बनाने के लिए 1.2 लाख रुपए देगी, खासकर जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में, जो पिछले हफ्ते आए तूफान से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग अभी हमें पैसे देने की अनुमति नहीं देगा। चुनाव के बाद हम गरीबों के घर बनाएंगे। बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार अपनी योजना के तहत गरीबों को काम देगी। उन्होंने कहा, अगर संभव हुआ तो इस साल हम 60 दिन के काम की व्यवस्था करेंगे।

महिलाओं के लिए घड़ियाली आंसू बहा रही बीजेपी

बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा पश्चिम बंगाल में घड़ियाली आंसू बहा रही है, जहां महिलाओ की पूजा की जाती है, लेकिन मणिपुर में जहां एक महिला को निर्वस्त्र घुमाया गया , वहां उसने आंखें मूंद ली। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी ही भाजपा से लड़ रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया, यहां माकपा, कांग्रेस और भाजपा ने हाथ मिला लिया है। अगर राज्य के लोग भाजपा जैसी अलोकतांत्रिक ताकत को हराना चाहते हैं, तो टीएमसी एकमात्र पार्टी है जिसका उन्हें समर्थन करना चाहिए। बनर्जी ने कहा कि 2011 से पहले माओवादी गतिविधियों के कारण लोग पुरुलिया आने से डरते थे। उन्होंने कहा, आज की स्थिति से इसकी तुलना करें। होटल और लॉज से लेकर होमस्टे तक, अब सब कुछ यहां उपलब्ध है।

निर्वाचन आयोग कर रहा भेदभाव

टीएमसी प्रमुख ने निर्वाचन आयोग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि रैली स्थल पर आते समय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीरों के साथ केंद्रीय योजनाओं के बैनर देखे, जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। बनर्जी ने कहा, आपने राज्य सरकार की परियोजनाओं के होर्डिंग्स में मेरी तस्वीरों को हटा दिया। इसमें कोई समस्या नहीं है क्योंकि चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी है, यह होना ही चाहिए था। लेकिन आपने प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीरें को क्यों नहीं हटाया? बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा अपने नेताओं के लिए सभी विश्राम गृह, लॉज और हेलीपैड बुक कर रही है, जिससे टीएमसी को वंचित किया जा रहा है।

इस बार टीएमसी को खारिज कर देंगे लोग : शुभेंदु

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने हिरन चटर्जी और एनआईए को लेकर अभिषेक द्वारा लगाए गए आरोपो को खारिज कर दिया। शुभेंदु अधिकारी ने देबरा में कहा, उन दावो का कोई आधार नही है। घाटल के साथ-साथ बंगाल के बाकी लोग भी चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को खारिज कर देंगे। वह (अभिषेक बनर्जी) पहले से ही सच्चाई जानते है।

तृणमूल को धमकाने के लिए कर रही सीबीआई का इस्तेमालः अभिषेक

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी को धमकाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने साथ ही कहा कि राज्य के लोग तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं। अभिषेक ने घाटल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा बाहरी लोगों का एक समूह है जो कोलकाता में 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले 19 वी सदी के समाज सुधारक और बंगाली आदर्श ईश्वरचंद्र विद्यासागर की प्रतिमा को तोड़ने के लिए जिम्मेदार थे।निवर्तमान लोकसभा में डायमंड हार्बर सीट से सदस्य अभिषेक ने कहा, भाजपा ईडी, सीबीआई को अपने पक्ष में कर सकती है। वे उन लोगों को धमकी दे रहे हैं जो उनके अलोकतांत्रिक कृत्यों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। मीडिया मित्रों का एक वर्ग भी भाजपा के पक्ष में है। लेकिन बंगाल के लोग तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

फोटो :4 पीएम

प्रेसवार्ता कांग्रेस के घोषणा पत्र की जानकारी देते प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मिश्रा, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी व अन्य।

केंद्र सरकार को जारी हुआ 'सुप्रीम नोटिस'

बच्चों के इंटरसेक्स ऑपरेशन की याचिका पर बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बच्चों के इंटरसेक्स ऑपरेशन पर याचिका का परीक्षण करने के लिए तैयार हो गया है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस भी जारी किया है और उनसे जवाब मांगा है। अदालत ने याचिका पर एएसजी ऐश्वर्या भाटी से सहायता करने के लिए भी कहा है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में देशभर में हो रहे इंटरसेक्स ऑपरेशनों पर न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने कहा कि तमिलनाडु एकमात्र ऐसा राज्य है, जो इस ऑपरेशन पर प्रतिबंध लगाता है, जहां बच्चे ने सहमति भी दी हुई है। अन्य जगहों पर इस तरह के इंटरसेक्स ऑपरेशन को अपराध माना जाता है। इसमें कहा गया है कि इसे लेकर हमारे पास कोई कानूनी तंत्र नहीं है।

मामले पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने केंद्र को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सीजेआई ने कहा कि वो इस मामले में एएसजी ऐश्वर्या भाटी से अदालत की सहायता करने का अनुरोध करते हैं।

दिल्ली विधानसभा में भाजपा का हंगामा

» विधानसभा अध्यक्ष नाराज सदन से बीजेपी विधायकों को सदन से किया बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। दरअसल, भाजपा विधायकों ने जल बोर्ड में घोटाले संबंधी दिल्ली सरकार की रिपोर्ट पर चर्चा कराने की मांग की थी। लेकिन अध्यक्ष चर्चा के लिए तैयार नहीं हुए। इस पर भाजपा विधायकों ने हंगामा किया। इस कारण विधानसभा अध्यक्ष ने भाजपा के सभी विधायकों को सदन से मार्शल बाहर करा दिया।

भाजपा विधायकों ने अपने प्रदेश अध्यक्ष के साथ विधानसभा परिषद स्थित महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने धरना दिया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने जल बोर्ड में घोटाला किया है। वह इस मामले को दबाने में लगी हुई है।

आप ने की माफी मांगने की मांग

वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा ने विधानसभा परिसर में भाजपा के विधायकों के धरने में प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष के शामिल होने का खड़ा विरोध किया। उन्होंने इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष को लिखित शिकायत दी है साथ ही उनसे मांग की है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने विधानसभा परिषद का दुरुपयोग किया है। इस मामले की जांच कर कार्रवाई की जाए। उनको विधानसभा में प्रवेश दिलवाने वाले के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।